

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

**प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश**(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रश्न-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट किए गए शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

**ESSAY**

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the following Sections A and B,  
in about 1000-1200 words each : 125×2=250

**खण्ड—A / SECTION—A**

1. जलवायु परिवर्तन के प्रति सुनम्य भारत हेतु वैकल्पिक तकनीकें  
Alternative technologies for a climate change resilient India
2. एक अच्छा जीवन प्रेम से प्रेरित तथा ज्ञान से संचालित होता है  
A good life is one inspired by love and guided by knowledge
3. कहीं पर भी गरीबी, हर जगह की समृद्धि के लिए खतरा है  
Poverty anywhere is a threat to prosperity everywhere
4. भारत के सीमा विवादों का प्रबन्धन—एक जटिल कार्य  
Management of Indian border disputes—a complex task

**खण्ड—B / SECTION—B**

5. रूढ़िगत नैतिकता आधुनिक जीवन का मार्गदर्शक नहीं हो सकती है  
Customary morality cannot be a guide to modern life
6. 'अतीत' मानवीय चेतना तथा मूल्यों का एक स्थायी आयाम है  
The past is a permanent dimension of human consciousness and values
7. जो समाज अपने सिद्धान्तों के ऊपर अपने विशेषाधिकारों को महत्त्व देता है, वह दोनों से हाथ धो बैठता है  
A people that values its privileges above its principles loses both
8. यथार्थ आदर्श के अनुरूप नहीं होता है, बल्कि उसकी पुष्टि करता है  
Reality does not conform to the ideal, but confirms it

\*\*\*